

पौनः पुन्य पुं. (तत्.) अनेकशः आवृत्ति, बार बार होने का भाव।

पौन पुं. (तद्.) 1. वायु 2. जीव 3. प्राण 4. जादू टोना 5. भूत प्रेत 6. एक प्रकार का भगण जिसमें गुरु पहिले होता है और लघु बाद में होता है **वि.** किसी संख्या का तीन चौथाई 3/4।

पौनरुक्त, पौनरुक्त्य पुं. (तत्.) दुवारा कहा जाने का भाव, पुनरावृत्ति, बार बार होना।

पौना पुं. (देश.) 1. पौना का पहाड़ा 2. गोल और चिपटे 3. छेददार या बिना छेदवाली लोहे की कलछी।

पौनार स्त्री. (तद्.) कमल की नाल, गोल या चिपटे दंदार या विना छेद की लोहे की कलछी।

पौनी स्त्री. (देश.) 1. रुई की बत्ती जिसे कात कर धागा निकाला जाता है 2. स्त्री. छेदों वाली छोटी कलछी 3. **वि.** जो पूरे की तीन चौथाई हो 4. पुं. मांगलिक कार्यों में नेग दिये जाने योग्य लोग जैसे- नाई, कुम्हार, धोबी आदि।

पौने **वि.** (देश.) 1. किसी संख्या की तीन चौथाई जैसे पौने नौ बजे 2. पौने बजे हैं 3. आपकी बात पौने आने ठीक है 4. औने पौने करना-कम दाम में विक्रय करना।

पौर स्त्री. (तत्.) पुर संबंधी, जो नगर में पैदा हुआ हो, नागरिक, पुर वासी, पेटू।

पौर कन्या स्त्री. (तत्.) नगर में जन्म लेने वाली लड़की, नागरी।

पौरकर पुं. (तत्.) नगर विषयक कर।

पौरकार्य पुं. (तत्.) नगर संबंधी कार्य।

पौरजन पुं. (तत्.) नागरिक।

पौरंदर **हि.वि.** (तत्.) इन्द्र संबंधी पुं. ज्येष्ठा नक्षत्र।

पौरमुख्य पुं. (तत्.) नगर का प्रमुख व्यक्ति।

पौरव **वि.** (तत्.) पुरुसंबंधी, पुरु का, पुरु के गोत्र में उत्पन्न पुं. पुरु का गोत्रज, आर्यावर्त का एक प्राचीन देश इस देश का शासक या आवासी।

पौरस्त्य **वि.** (तत्.) प्रथम, आद्य, पूर्वका, पूर्वी, प्राच्य।

पौर स्त्री स्त्री. (तत्.) पौर पोषित नगर सम्बन्धी स्त्री।

पौरांगना स्त्री. (तत्.पौर+अंगना) नगर की स्त्री, पौरस्त्री, पौरयोषित्।

पौराणिक **वि.** (तत्.) (पुराण+ठक्=इक) पुराणों का जानकार व्यक्ति, पुराणवाचक।

पौरी स्त्री. (देश.) मकान की वह कोठरी या गली की तरह का वह भीतरी भाग जो प्रवेश करते ही पड़ता है, ड्यौढ़ी, खड़ाऊँ (तत्.) अन्तःपुर में निवास करने वाले सेवकों की भाषा।

पौरुष पुं. (तत्.) 1. साहस 2. मानव बल, पौरुष 3. मनुष्यता 4. वीरता 5. पुरुषोचित गुण **वि.** (तत्.) 1. पुरुष संबंधी, पुरुष का भाव 2. पुरुषार्थ, विक्रम, पराक्रम 3. उद्यम 4. ऊँचाई या गहराई की एक माप 5. एक व्यक्ति के ले जाने भर का बोझ 6. पुरुष की लिङ्गेंद्रिय।

पौरुषी स्त्री. (तत्.) नारी।

पौरुषेय **वि.** (तत्.) 1. पुरुष विषयक 2. पुरुष का बनाया या किया गया, पुरुष कृत 3. पुरुष का कर्म, मानव-कर्म।

पौरुहूत **वि.** (तत्.) इंद्रसंबंधी, इंद्र का।

पौरोहित्य पुं. (तत्.) पुरोहित का कर्म या पद।

पौर्णमास **वि.** (तत्.) 1. पूर्णिमा विषयक 2. पुं. पूर्णिमा को किया जाने वाला यज्ञ विशेष, पूर्णिमा।

पौर्णमासिक **वि.** (तत्.) 1. पूर्णिमा संबंधी 2. पूर्णिमा के दिन होने वाला कर्म।

पौर्णमास्य पुं. (तत्.) [पौर्णमास+यत्] पूर्णिमा के दिन होने वाला कृत्य, विधान।

पौर्तिक **वि.** (तत्.) पूर्त संबंधी, पूर्त का साधन रूप (कर्म)।

पौर्वदेहिक **वि.** (तत्.) पूर्व जन्म संबंधी, पूर्व जन्म में किया हुआ।

पौर्वपदिक **वि.** (तत्.) पूर्वपद संबंधी जो समास के पूर्वपद से संबंध हो।